TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जन्मदिन विशेष

05 जुलाई 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

हर दिन सीखने और खुद को बेहतर बनाने

का नया अवसर होता है।

पी. वी. सिंधु

(प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी)

जन्म : 05 जुलाई 1995

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org | /teachersofbihar

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

मधु प्रिया

5 जुलाई

राष्ट्रीय कर्मठ दिवस

कर्मठता ही सफलता की कुंजी है

राष्ट्रीय कर्मठ दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन हमें कर्मठता, परिश्रम, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण के महत्व को समझाता है तथा सफलता और राष्ट्र निर्माण में इनके योगदान का स्मरण कराता है। कर्मठ व्यक्ति ही अपने प्रयासों से न केवल स्वयं का, बल्कि समाज और राष्ट्र का भी विकास करता है।

कर्मठता का महत्व

- लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देती है।
- समय का सदुपयोग और अनुशासित जीवन की आदत विकसित होती है।
- ईमानदारी, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास का विकास होता है।
- कार्य के प्रति समर्पण से व्यक्तिगत और सामाजिक विकास होता है।
- राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने की भावना मजबूत होती है।

शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए संदेश

शिक्षकों के लिए

शिक्षक अपनी कर्मठता, ज्ञान, धैर्य और समपंण से विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करते हैं। उनकी लगन और मेहनत समाज को दिशा और संस्कार देती है।

विद्यार्थियों के लिए

विद्यार्थी नियमित अध्ययन, अनुशासन, एकाग्रता और निरंतर अभ्यास के माध्यम से अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। कर्मठता ही शिक्षा को सार्थक बनाती है।

हम क्या संकल्प लें?

- प्रत्येक कार्य पूरी ईमानदारी और लगन से करेंगे।
- समय का सदुपयोग करेंगे।
- कठिनाइयों से घबराए बिना निरंतर प्रयास करेंगे।
- अपने कार्यस्थल, विद्यालय और समाज के प्रति जिम्मेदार रहेंगे।
- अपने परिश्रम से राष्ट्र की प्रगति में योगदान देंगे।

कर्मठता के गुण

- लगन और दृढ़ता
- समय पालन
- अनुशासन और नियमितता
- ईमानदारी और नैतिकता
- परिश्रम और धैर्य

कर्मठता की विशेषताएँ

★ सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है।
★ कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानती।
★ नए अवसरों का निर्माण करती है।
★ व्यक्ति को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है।
★ समाज और राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जाती है।

> “कर्मठ व्यक्ति अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करता,
> बल्कि अपने परिश्रम से नए अवसरों का निर्माण करता है।”

आइए, कर्मठ बनें और एक बेहतर भारत के निर्माण में भागीदार बनें।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 05.07.2026

तथ्य संग्रह

तथ्य संग्रह **(Data Collection)** वह प्रक्रिया है जिसमें किसी विषय, समस्या या अनुसंधान के उद्देश्य से आवश्यक एवं विश्वसनीय तथ्यों, सूचनाओं या आँकड़ों को विभिन्न स्रोतों से व्यवस्थित रूप से एकत्र किया जाता है। किसी अध्ययन या अनुसंधान के लिए आवश्यक तथ्यों एवं सूचनाओं को योजनाबद्ध ढंग से एकत्र करने की प्रक्रिया को तथ्य संग्रह कहते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

दुबई में रहकर अपनी कंपनी चलाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय सीईओ **आदित्य राजेश** हैं। उन्होंने केवल 16 वर्ष की उम्र में दुबई में अपनी आईटी और **डिजिटल सर्विस कंपनी** शुरू की थी और अभी **बुर्ज ख़लीफ़ा** में उनका एक ऑफिस भी है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
TOB
खेल कॉर्नर
टी-20 इंटरनेशनल
में सबसे तेज 100 छक्के
अभिषेक शर्मा
785
गेंद
एविन लुईस
789
गेंद
फिन एलन
871
गेंद
टिम डेविड
931
गेंद
कॉलिन मुनरो
963
गेंद
सूर्यकुमार यादव
1007
गेंद
www.teachersofbihar.org
राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

जुलाई 5

5 जुलाई

का इतिहास, जन्म, निधन एवं महत्वपूर्ण अवसर

5 जुलाई की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1977 पाकिस्तान की सैनिक क्रांति में प्रधानमंत्री जुलफिकार अली भुट्टो सत्ताच्युत एवं गिरफ्तार हुए, जनरल जिया-उल-हक ने सत्ता संभाली।

1994 जेरिको में फिलिस्तीनी स्वशासन की औपचारिक शुरुआत हुई।

1998 पीट सम्प्रास ने लगातार पाँचवीं बार विंबलडन पुरुष एकल का खिताब जीता।

1999 संयुक्त राज्य अमेरिका ने तालिबान पर प्रतिबंध की घोषणा की।

2000 दुशानबे में शंघाई-5 देशों के सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

2002 काठमांडू में नेपाली कांग्रेस मुख्यालय में बम विस्फोट, 10 लोग घायल हुए।

2004 ग्रीस ने यूरो कप 2004 फुटबॉल प्रतियोगिता जीतकर इतिहास रचा।

2007 मैक्सिको के पुय्ब्ला प्रांत में भूस्खलन से 60 लोगों की मृत्यु हुई तथा ईरान ने IAEA अधिकारियों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया।

2008 नेपाल की अंतरिम कैबिनेट ने संविधान संशोधन विधेयक लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

5 जुलाई को जन्मे व्यक्ति

★ **1995** **पी. वी. सिंधु** – भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी।

★ **1960** **राकेश झुनझुनवाला** – भारतीय निवेशक एवं शेयर बाज़ार विशेषज्ञ।

★ **1956** **ज्योति खरे** – समकालीन कवि एवं लेखक।

★ **1947** **लालजी सिंह** – प्रसिद्ध भारतीय जीवविज्ञानी।

★ **1946** **असगर वजाहत** – साहित्यकार, नाटककार एवं शिक्षाविद।

★ **1946** **रामविलास पासवान** – भारतीय राजनीतिज्ञ एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री।

★ **1931** **शरद पगारे** – हिन्द्री साहित्यकार।

★ **1920** **सचिन नाग** – प्रसिद्ध भारतीय तैराक।

★ **1918** **के. करुणाकरण** – केरल के पूर्व मुख्यमंत्री।

★ **1901** **बी. एन. सरकार** – प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता एवं न्यू थियेटर्स के संस्थापक।

5 जुलाई का महत्वपूर्ण अवसर

वेनेजुएला का स्वतंत्रता दिवस

(Independence Day)

5 जुलाई 1811 को वेनेजुएला ने स्पेन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। यह दिन पूरे देश में राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है।

5 जुलाई को हुए निधन

1957 **अनुग्रह नारायण सिन्हा** – स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद एवं आधुनिक बिहार के निर्माता।

1920 **मैक्स क्लिंगर** – जर्मन चित्रकार एवं मूर्तिकार।

1877 **तोरु दत्ता** – भारत की प्रसिद्ध अंग्रेज़ी एवं फ़्रांसीसी भाषा की कवयित्री।

Madhu priya

"इतिहास हमें अनुभव देता है, महान व्यक्तित्व प्रेरणा देते हैं और हर नई तिथि हमें कुछ नया सीखने का अवसर देती हैं।"

TEACHERS OF BIHAR — THE CHANGE MAKERS

महान वैज्ञानिक को हमारा नमन

5 जुलाई

भारत में
डीएनए फिंगरप्रिंट
के जनक
पद्मश्री सम्मानित
डॉ. लालजी सिंह
की जयंती पर
शत्-शत् नमन

(5 जुलाई 1947 – 10 दिसंबर 2017)

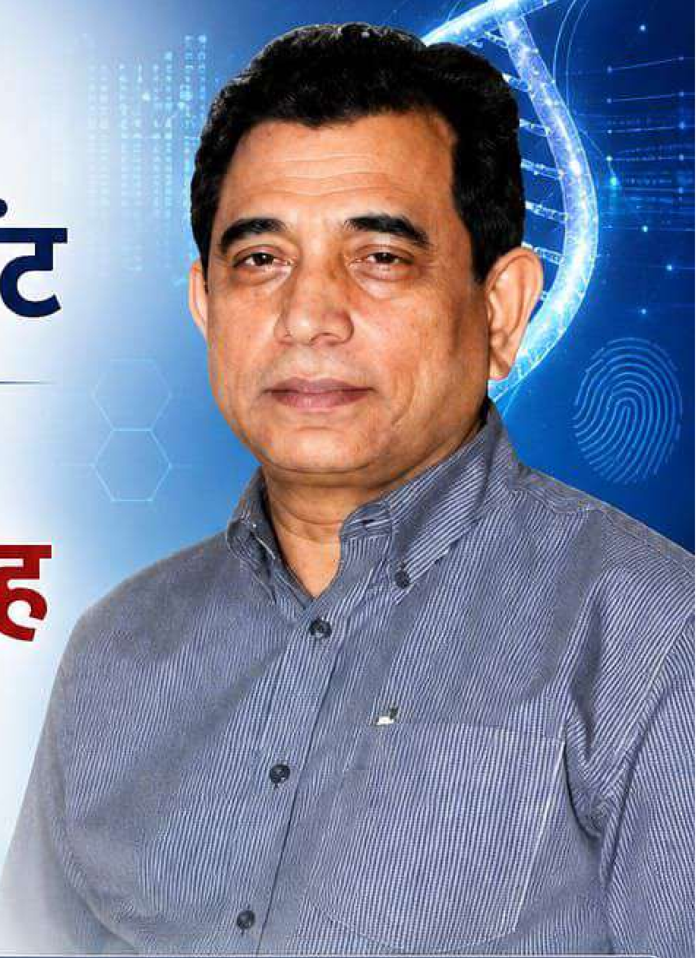

एक दूरदर्शी वैज्ञानिक, जिन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया। डॉ. लालजी सिंह ने डीएनए फिंगरप्रिंटिंग तकनीक के विकास में ऐतिहासिक योगदान देकर अपराध अनुसंधान, न्याय प्रणाली और जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया।

उपलब्धियां

- ★ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग तकनीक विकसित कर भारत को वैज्ञानिक क्षेत्र में नई पहचान दिलाई।
- ★ हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स (CDFD) की स्थापना की।
- ★ वैज्ञानिक अनुसंधान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के महानिदेशक रहे।
- ★ पद्मश्री (2005), डॉ. बी. सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित।

योगदान

- ★ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग को भारत में विकसित कर न्यायिक प्रणाली को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया।
- ★ अपराधों की जांच, पहचान, पितृत्व परीक्षण और मानव पहचान के क्षेत्र में यह तकनीक मील का पत्थर बनी।
- ★ भारत को जैव-प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- ★ उनका कार्य समाज, विज्ञान और मानवता के लिए अद्वितीय और प्रेरणादायक है।

Madhu priya

> “ विज्ञान का उद्देश्य केवल खोज करना नहीं, बल्कि उस खोज को मानवता और समाज के कल्याण के लिए उपयोग में लाना है।
>
> – डॉ. लालजी सिंह

विज्ञान में शोध से राष्ट्र का उत्थान	विज्ञान से न्याय को मिली पहचान	समाज और मानवता से रहा उनका जुड़ाव

ऐसे महान वैज्ञानिक को हमारी विनम्र श्रद्धांजली,
जिन्होंने भारत का मस्तक गर्व से ऊँचा किया।

भारत के पहले एशियाई स्वर्ण पदक विजेता तैराक

5 जुलाई
1920 – 1987

सचिन नाग

की जयंती पर

शत्-शत् नमन

5 जुलाई 1920 – 19 अगस्त 1987

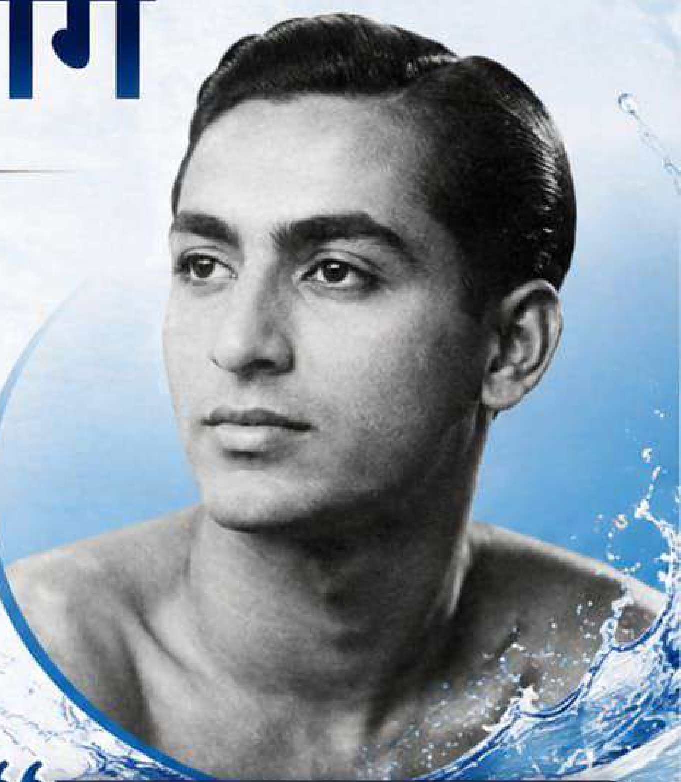

सचिन नाग भारत के महान तैराक थे, जिन्होंने अपनी **प्रतिभा**, **परिश्रम** और **समर्पण** से देश को गौरवान्वित किया। वे भारत के खेल इतिहास के स्वर्णिम अध्याय हैं।

उपलब्धियाँ

- 1951 के एशियाई खेलों (नई दिल्ली) में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में **स्वर्ण पदक** जीता।
- यह एशियाई खेलों में **भारत का पहला स्वर्ण पदक** था।
- उन्होंने 50 मीटर और 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में **रजत पदक** भी जीता।
- वे भारत के सबसे पहले **अंतरांष्ट्रीय स्तर के तैराकों** में से एक थे।
- उन्होंने **कठिन परिस्थितियों** और सीमित संसाधनों के बावजूद **भारतीय तैराकी** को नई पहचान दिलाई।

> "सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है – लगन, मेहनत और कभी हार न मानना।"

प्रेरणा स्रोत

सचिन नाग की उपलब्धि ने यह साबित किया कि **संकल्प और मेहनत** से कोई भी भारतीय एशियाई और विश्व मंच पर **तिरंगा** लहरा सकता है। वे आने वाली पीढ़ियों के लिए **प्रेरणा** के शाश्वत स्रोत रहेंगे।

Madhu priya

★ उनकी विरासत

आज भी जब भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतता है, तो वह यात्रा **सचिन नाग** के स्वर्णिम क्षण से ही शुरु हुई थी। उनका नाम भारतीय खेल इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

उन्होंने केवल पदक नहीं जीता, बल्कि भारत के आत्मविश्वास को नई ऊँचाई दी।

सचिन नाग को शत्-शत् नमन!

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, प्रखर वक्ता,
कुशल संगठनकर्ता एवं आधुनिक बिहार के निर्माता

18 जून, 1887
से
5 जुलाई, 1957
पुण्यतिथि

बिहार के गौरव

अनुग्रह नारायण सिंह

की पुण्यतिथि पर
शत्-शत् नमन

"उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज, शिक्षा और राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके आदर्श, विचार और कर्म हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।"

जीवन परिचय एवं योगदान

- जन्म : 18 जून, 1887, पटना (बिहार)
  निधन : 5 जुलाई, 1957, पटना (बिहार)
- स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता रहे। असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई।
- शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान। बिहार विद्यापीठ की स्थापना करने वालों में अग्रणी रहे।
- बिहार विधान परिषद के सभापति और बिहार विधानसभा के अध्यक्ष रहे।
- ईमानदार, निस्वार्थी और जनसेवा के प्रतीक। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य के विकास की मजबुत नींव रखी।
- वह एक उत्कृष्ट लेखक, चिंतक और ओजस्वी वक्ता भी थे।

"देश की उन्नति का मार्ग शिक्षा, त्याग और सेवा से होकर जाता है।"

– अनुग्रह नारायण सिन्हा

Madhu priya

आईए, उनके आदर्शों को आत्मसात करें और उनके सपनों का एक समृद्ध, शिक्षित और सशक्त बिहार बनाएं।

/ teachersofbihar

BIHAR FOUNDATION

प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन

2026-27

परीक्षा कार्यक्रम

तिथि	प्रथम पाली समय : 10.00 पूर्वाह्न से 12:00 अपराह्न	द्वितीय पाली समय : 01.00 अपराह्न से 03:00 अपराह्न
07.07.2026 (मंगलवार)	**अंग्रेजी** (कक्षा I एवं V के लिए)	**अंग्रेजी** (कक्षा VI-VIII के लिए)
08.07.2026 (बुधवार)	**विज्ञान** (कक्षा VI-VIII के लिए)	**संस्कृत** (कक्षा VI-VIII के लिए)
09.07.2026 (गुरूवार)	**गणित** (कक्षा III-V के लिए)	**गणित** (कक्षा VI-VIII के लिए)
10.07.2026 (शुक्रवार)	**प्रथम त्रैमासिक तक संचालित–सह–शैक्षिक गतिविधियों का समेकन एवं ग्रेडिंग का निर्धारण*** (मकतब / मदरसा विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों के लिए)	
11.07.2026 (शनिवार)	**पर्यावरण अध्ययन / सामाजिक विज्ञान** (कक्षा III-VIII के लिए)	**गणित** (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा)
12.07.2026 (रविवार)	**प्रथम त्रैमासिक तक संचालित–सह–शैक्षिक गतिविधियों का समेकन एवं ग्रेडिंग का निर्धारण*** (मकतब / मदरसा विद्यालयों के लिए)	
13.07.2026 (सोमवार)	**भाषा (हिन्दी / उर्दू / बांग्ला)** (कक्षा I एवं VIII के लिए)	**अहिन्दी भाषी के लिए (हिन्दी)** (कक्षा III-VIII के लिए)

आवश्यक निर्देश

- सभी छात्र-छात्राएँ परीक्षा प्रारम्भ होने से **30 मिनट पूर्व** विद्यालय में उपस्थित हों।
- परीक्षा के दौरान अनुशासन एवं समय-पालन का विशेष ध्यान रखें।
- आवश्यक लेखन सामग्री साथ लाना अनिवार्य हैं।
- विद्यालय की वर्दी में ही परीक्षा में सम्मिलित हों।

राकेश कुमार

सभी विद्यार्थियों को प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन हेतु

हार्दिक शुभकामनाएँ!